Title : Regarding demand by the Frankfurt Airport Authority for a Bank guarantee from Air India for services being provided by the Authority.

SHRI SHATRUGHAN SINHA (PATNA SAHIB): Madam, I understand that Air India has been asked by the Frankfurt Airport in Germany to give bank guarantee for services being provided by the Airport Authorities.

Today, Frankfurt is a major International Airport hub for Air India. Frankfurt Airport has been compelled to take this unusual step due to default by Air India. Air India is not only our national carrier but also supposed to be our pride.

Madam, it is a matter of deep concern that Air India has been asked to furnish bank guarantee to continue receiving services from this international hub. This shows the complete mismanagement of Air India by the Ministry of Civil Aviation. मैं आपके माध्यम से पूरे सदन का ध्यान, सहयोग, समर्थन और आशीर्वाद चाहूंगा। आज एयर इंडिया, एयर लाइन्स या सिविल एविएशन मिनिस्ट्री में लूट का जिक्र नागपुर के हमारे विलासराव भाई ने किया।

जिसके बारे में दूसरे सदन में चर्चा हुई थी। उस समय भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री और हमारे जिम्मेदार साथी राजीव प्रताप रूढ़ी जी और प्रकाश जावड़ेकर जी ने बहुत सारे सवाल इस सम्बन्ध में उटाए थे। लेकिन

उन सवालों का कोई पिन पाइंट उत्तर नहीं दिया गया और न ही उन्हें फोकस किया गया। मैं सिविल एविएशन मिनिस्टर की तारीफ भी करना चाहूंगा कि उनके समय में एयर एंडिया और इंडियन एयरलाइंस में काफी तरक्की भी हुई है और उसका हाईप उससे भी ज्यादा हुआ है। लेकिन उसके बावजूद आज अगर हमारी एयरलाइंस का नाम एक फिल्म 'संकट सिटी' के नाम की तरह 'संकट एयरलाइंस' रख दिया जाए, तो इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। जिस संकट में एयरलाइंस है और जिस संकट से हम गुजर रहे हैं, चाहे सेफ्टी और सिक्योरिटी का प्रश्न हो...(व्यवधान)

श्री शरद यादव : एयरपोर्ट अथॉरिटी की भी हालत खराब है।

श्री शत्रुघ्न सिन्हा : हमारे शरद भाई ठीक कह रहे हैं कि एयरपोर्ट अथॉरिटी की भी हालत खराब है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए आज जो हमारा महाराजा एयरलाइंस की हालत एक भिक्षुक के समान हो गई है। 'महाराजा' आज 8,000 करोड़ के लॉस में जा रहा है। 62 एयरक्राफ्ट्स बहुत हाई प्राइस पर लिए गए हैं, ऐसा लोगों का मानना है। ऐसा यह भी मानना है कि बहुत सारे लुक्रेटिव डेस्टीनेशन दिया गया प्राइवेट एयरलाइंस को, अपनी एयरलाइंस, अपनी एयर इंडिया के कॉस्ट पर। इन सारी बातों को ध्यान में लाना इसलिए जरूरी है कि यहां पर सदन के नेता बैठे हैं और मैडम आप भी बैठी हुई हैं। हम आपका बहुत रिगार्ड और रिस्पेक्ट करते हैं, लेकिन पारदर्शिता चाहिए। पारदर्शिता चाहिए, जिसमें कि हमारे वर्कर्स का, हमारे एम्प्लाइज़ का इंटरेस्ट कवर हो। इसके लिए चंद बातें हैं जैसे हमारी एयरलाइंस को जिस तरह से प्राइवेट एयरलाइंस को प्रॉस्पर करने दिया गया है, एयर इंडिया की कॉस्ट पर। आज जिस तरह से एयर इंडिया घाटे में है, जिस तरह से मुम्बई एयरपोर्ट हो या बिहार में पटना का एयरपोर्ट हो, ऐसे बहुत से एयरपोर्ट्स हैं, जो आज खतरे से गुजर रहे हैं। जहां रोज फ्लाइट्स का टेक-ऑफ और लैंडिंग के समय बर्ड्स हिट्स नहीं हो रहा है । पर कभी भी हो सकता है। मुम्बई का एयरपोर्ट Asia के सबसे बड़े slums के बगल में है, उसका भी ढंग से विस्तार नहीं हुआ है। बिहार के राजधानी, हमारे पटना में भी ऐसी ही स्थिति है और ऐसे बहुत से एयरपोर्ट्स हैं। इन सारी बातों को मद्देनजर रखते हुए मैं समझता हूं कि आज घड़ी आ गई है, आज सूर्य ग्रहण का दिन है। हमें सूर्य ग्रहण से तो मुक्ति मिल गई है, लेकिन जिस एयरलाइंस में, संकट एयरलाइंस पर जो संकट है, उस ग्रहण से कौन मुक्ति दिलाएगा। मैं चाहता हूं कि इन बातों की जांच करने के लिए पार्लियामेंट की एक जाइंट कमेटी का, सर्वदलीय समिति का गठन हो, जो इस सारे भ्रष्टाचार की, लूट की, गड़बड़ी की और जो फ्रैंकफुर्ट ने हमें कहा है कि यहां पर एयर इंडिया की फ्लाइट लैंड नहीं हो सकती, जब तक भारत सरकार बैंक गारंटी नहीं देगी। इसलिए यह भारत सरकार की भी अस्मिता का सवाल है, एयर इंडिया का तो खैर है ही। मैं चाहूंगा तमाम लोग मिलकर, सदन के नेता अभी यहां थे, मैडम आप भी बैठी हैं, इसकी जांच करें और दूध का दूध तथा पानी का पानी करने के लिए, ट्रांसपेरेंसी के लिए संसद की एक सर्वदलीय समिति का गठन हो। मेरी यही मांग है, जेपीसी की मांग है।